सफलता की कहानी...

विविधिकरण की ओर बढ़ती आमेट क्रय-विक्रय सहकारी समिति

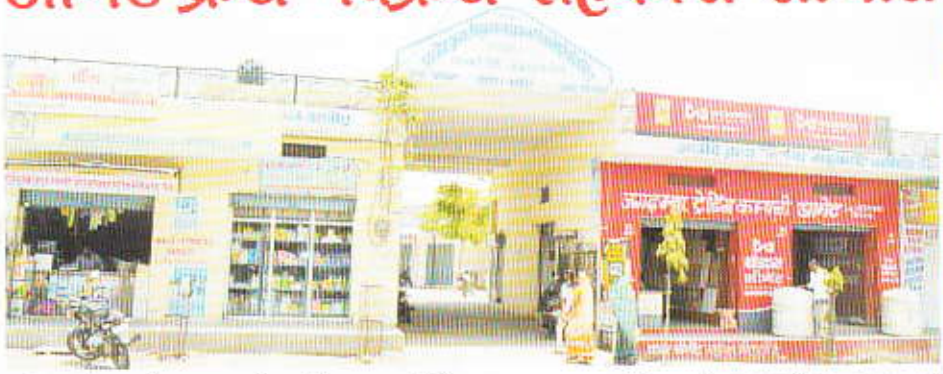

राजसमंद जिले के आमेट में पिछले 58 वर्षों से कार्यरत आमेट क्रय-विक्रय सहकारी समिति क्षेत्र के किसानों व ग्रामीणों को सहकारी सेवाएं उपलब्ध करा रही है। आमेट क्रय-विक्रय सहकारी समिति का पंजीयन 25 सितंबर, 1958 में हुआ था। पंजीयन के समय समिति के केवल 80 सदस्य थे। वर्तमान में समिति की हिस्सा राशि 4 लाख 96 हजार रु. व कार्यशील पूंजी 34 लाख 71 हजार रु. है। आज आमेट क्रय-विक्रय सहकारी समिति के 286 सदस्य हैं।

विपणन सहकारी समितियां मुख्यत: काश्तकारों को समय पर कृषि आदानों का वितरण, कृषि उपज की खरीद और उपभोक्ता सामग्री का वितरण करती है। समिति द्वारा खाद-बीज और कीटनाशकों का अग्रिम भण्डारण कर स्वयं के बिक्री केन्द्रों के साथ ही क्षेत्र की ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से वितरण किया जा रहा है। समिति द्वारा काश्तकारों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। समिति आवश्यकता को देखते हुए काश्तकारों से बाजार दर भी उपज की खरीद का कार्य करती है। समिति द्वारा कीटनाशकों का वितरण, जैविक खाद का वितरण, जिप्सम आदि का वितरण के साथ ही नियंत्रित व अनियंत्रित उपभोक्ता सामग्री के विपणन का कार्य किया जाता है। समिति का स्थापना के समय 32 हजार रु. का वार्षिक कारोबार था जो आज बढ़कर 3 करोड़ 74 लाख रु. से अधिक हो गया है। समिति का 31 मार्च, 2015 तक का ऑडिट हो चुका है। समित की वार्षिक साधारण सभा का नियमित आयोजन हो रहा है। समिति 23 लाख 33 हजार रु. के संचित लाभ में काम कर रही है।

कार्यों में विविधिकरण

आमेट क्रय विक्रय सहकारी समिति द्वारा परंपरागत कार्यों के साथ ही नवाचार कार्यों को भी अपनाया जा रहा है। समिति द्वारा आमेट तहसील में सीमेंट की बिक्री का काम किया जा रहा हैं। समिति द्वारा स्टेशनरी के कार्य के साथ ही अन्नपूर्णा भण्डार का संचालन भी किया जा रहा है।

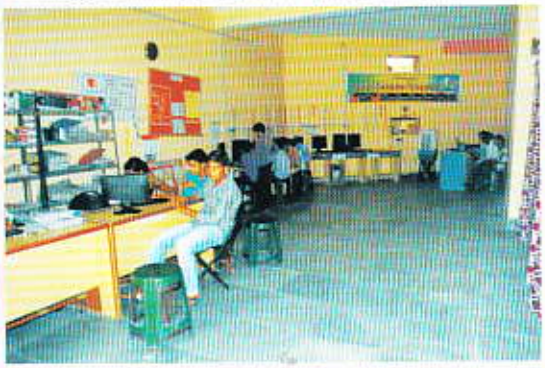

आमेट क्रय-विक्रय सहकारी समिति का अपना स्वयं का भवन है। समिति में किसानों की सुविधा के लिए खाद-बीज, कृषि उपज व उपभोक्ता सामग्री के भण्डारण के लिए विभिन्न भण्डारण क्षमता के 5 गोदाम व 18 दुकानें हैं। गोदामों में 550 टन, 250 टन और 50 टन के एक-एक व 100-100 टन क्षमता के दो गोदाम निर्मित है। समिति के मुख्य मार्ग पर होने और बड़ा परिसर होने के कारण समिति में वृक्षारोपण करवाया हुआ है। काश्तकारों की सुविधा के लिए पीने की पानी की सुविधा, शौचालय आदि की सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में उप रजिस्ट्रार राजसमंद श्री भगवती लाल स्वर्णकार प्रशासक एवं श्री चन्द्र सिंह राठौड़ समिति के मुख्य व्यवस्थापक है। समिति निरंतर सदस्यों के लाभ की योजनाओं व कार्यक्रमों का संचालन कर सदस्यों के विश्वास पर खरा उतर रही है।